भजन

तर्ज–चंदा को ढूंढने सभी

अपने पिया को छोड़ कर घर से निकल पड़े
देखा ना उनके प्यार को बस यूं ही चल पड़े

1–अपना ठिकाना छोड़ कर,करके उन्हे जुदा
और आ गये जहां मे हम,करके उन्हें खफा
आयी जो उनकी याद तो आंसू निकल पड़े

2–भूले जो अपने धाम को,आना पड़ा उन्हे
खातिर हमारी दुखो को,सहना पड़ा उन्हें
आई न होश धाम की माया के फंद पड़े

3–माया में आये शान से,घबरा के जायेगें
पूछेगें सैयां प्यार से,लब थरथराऐगें
सिर ना उठेगा सामने चरणों में गिर पड़े